प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 1

CBSE कक्षा 12वीं की परीक्षा के लिए नमूना प्रश्न-पत्र

हिंदी केंद्रिक

निर्देश 1. इस प्रश्न-पत्र के तीन खंड हैं—क, ख और ग।
2. तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 80*

खंड 'क' अपठित अंश

[16 अंक]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (12)

वर्तमान युग में, राष्ट्र का अर्थ है—किसी निश्चित भू-भाग पर रहने वाले लोग, जो सभी प्रकार के सुख-दुःखों को साझे रूप में झेलते हैं। उनके धर्म, विचार, रहन-सहन, पूजा-स्थल आदि भिन्न हो सकते हैं, परंतु यदि वे किसी प्रकार का विरोध नहीं पनपने देते, तभी वे राष्ट्र हैं। भारत में विविध संस्कृतियों, विचारों, भाषाओं आदि को बोलने-मानने वाले लोग हैं। फिर भी वे भारतीय हैं। राष्ट्रीयता ही वह सूक्ष्म कड़ी है, जो भेद में भी अभेद स्थापित किए रहती है। देश व राष्ट्र के स्वरूप को स्वतंत्र, सक्षम, सार्वकालिक बनाए रखने के लिए एकता का महत्त्व है। राष्ट्र का प्रत्येक जन जानता है कि उसके अस्तित्व की रक्षा तभी संभव है, जब राष्ट्र की रक्षा हो और राष्ट्र की रक्षा एकता से ही संभव है। अतः राष्ट्र के सजग नागरिक राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की दिशा में हमेशा सावधान रहते हैं। आज के युग में, प्रत्येक राष्ट्र अपनी क्षमताओं का विस्तार करना चाहता है। ऐसी स्थिति में आवश्यकता महसूस होने लगती है कि वे देशवासियों को राष्ट्रीयता के स्तर पर हमेशा सजग करते रहें।

स्वतंत्रता संघर्ष के समय, राष्ट्रीय एकता की गूँज सर्वत्र सुनाई पड़ रही थी। इसी संगठन के बल पर 15 अगस्त, 1947 को भारत ने आजादी प्राप्त की। सजग लोगों ने विकास की अनेक दिशाओं में अग्रसर होने का प्रयास किया। पड़ोसी देशों ने महसूस किया कि भारतीय धर्म, जाति, भाषा आदि के नाम पर लड़ रहे हैं, अतः वे अपने हितों को पूरा कर सकते हैं, परंतु तीन आक्रमणों में भारत ने उनके दाँत खट्टे कर दिए, परंतु आज भी हम राष्ट्रीय चरित्र का विकास नहीं कर सके। इसके कारण, सारे देश में अराजकता, भ्रष्टाचार, असंतुलन के चिह्न दिखाई देते हैं। आज भी, समर्थ लोग स्वार्थों की सिद्धि हेतु आम जनता का शोषण करते हैं। युद्ध के अवसर पर नेताओं द्वारा चंदा हड़पने की होड़ लग जाती है तथा व्यापारियों द्वारा अभाव की स्थिति पैदा कर दी जाती है। आज भी भाषा के नाम पर झगड़े हो रहे हैं, तो कहीं प्रांतीयता के नाम पर। प्रांतीय दलों की बाढ़ भी राष्ट्रीयता के विकास में बाधक है।

(क) वर्तमान समय में राष्ट्र की परिभाषा क्या है? (2)

(ख) भारत में राष्ट्रीयता की सूक्ष्म कड़ी को स्पष्ट कीजिए। (2)

(ग) राष्ट्र की रक्षा के लिए लेखक क्या ज़रूरी मानता है और क्यों? (2)

(घ) राष्ट्रीय चरित्र का विकास न हो पाने के कारण कैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है? (2)

(ङ) भारत की राष्ट्रीयता के अवरोधक तत्त्व क्या हैं? (2)

(च) भारत की विविधता में एकता का क्या अर्थ है? (1)

(छ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1 × 4 = 4)

मैं नहीं चाहता चिर सुख;
मैं नहीं चाहता चिर दुःख;
सुख-दुःख की खेल मिचौली
खोले जीवन अपना मुख।
सुख-दुःख के मधुर मिलन से
यह जीवन हो परिपूर्ण,
फिर घन में ओझल हो शशि,
फिर शशि से ओझल हो घन!
जग पीड़ित है अति दुःख से
जग पीड़ित रे अति सुख से,
मानव जग में बँट जाए
दुःख-सुख से औ' सुख-दुःख से
अविरत दुःख है उत्पीड़न
अविरत सुख भी उत्पीड़न
दुःख-सुख की निशा-दिवा में,
सोता-जागता जग-जीवन।
यह साँझ-उषा का आँगन
आलिंगन विरह मिलन का
चिर हास-अश्रुमय आनन
रे! इस मानव-जीवन का।

(क) कवि ने ऐसा क्यों लिखा कि 'मैं नहीं चाहता चिर सुख'? (1)

(ख) "चिर हास-अश्रुमय आनन रे! इस मानव-जीवन का"– इस काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। (1)

(ग) जीवन कैसे परिपूर्ण होता है? (1)

(घ) जग किससे पीड़ित है तथा क्यों? (1)

अथवा

खोल सीना, बाँधकर मुट्ठी कड़ी
मैं खड़ा ललकारता हूँ।
ओ नियति!
तू सुन रही है?
मैं खड़ा तुझको यहाँ ललकारता हूँ!
हाँ, वही मैं
जोकि कल तक कर रहा था चरण में तेरे निवेदित
फूल पूजा के
करुण आँखों को भिगोकर
काँपती उंगलियों की अंजलि सँजोकर।
हाँ, वही मैं
जोकि कल तक कह रहा था
तुम्हीं हो सर्वस्व मेरी
और यह जीवन तुम्हारी कृपा-करुणा का भिखारी,
दान दो संजीवनी का, या गरल दो मृत्यु का स्वीकार है।
विनत, शिर, स्वर मंद, कंपित ओष्ठ!
क्योंकि मैंने आज पाया है स्वयं का ज्ञान
क्योंकि मैं पहचान पाया हूँ कि मैं हूँ मुक्त, बंधनहीन
और तू है मात्र भ्रम, मन-जात, मिथ्या वंचना,
इसलिए इस ज्ञान के आलोक के पल में
मिल गया है आज मुझको सत्य का आभास।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में कवि किसे ललकार रहा है? (1)

(ख) 'आत्मज्ञान' ने कवि की किस भावना को जाग्रत कर दिया? (1)

(ग) भिखारी किसे कहा गया है तथा क्यों? (1)

(घ) कवि का मन क्या नहीं जाता है? (1)

खंड 'ख' कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन [20 अंक]

3. अपने परिवार के किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए, जिसने आपको प्रभावित किया हो। बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार परिवर्तित किया? आपके गुणों को निखारने में और अवगुणों को दूर करने में उस व्यक्ति ने आपकी किस प्रकार सहायता की? (5)

अथवा

मनुष्य अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखता है। अपने बचपन के दिनों की किसी ऐसी सुखद घटना का वर्णन कीजिए, जिसने आपको जीवन की नई सीख दी हो। यह सीख आपके भावी जीवन में कैसे उपयोगी सिद्ध हो सकती है इसका विवरण दीजिए।

4. बस में गुंडों के द्वारा घेर लिए जाने पर एक महिला यात्री की सहायता करने वाले बस-संवाहक के साहस और कर्त्तव्य भावना की प्रशंसा करते हुए परिवहन निगम के मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

दिन-प्रतिदिन बढ़ती महँगाई की समस्या के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए 'नवभारत टाइम्स' के संपादक को एक पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए (1×4=4)

(क) एफ. एम. रेडियो का विस्तार किस उद्देश्य से हुआ?

(ख) सूचना प्राप्त करने के किन्हीं दो स्रोतों पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) संपादकीय का शीर्षक कैसा होता है।

(घ) फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज से क्या आशय है?

(ङ) स्तंभ लेखन क्या होता है? समझाइए।

6. नाटक स्वयं में एक जीवंत माध्यम है। इस कथन के आलोक में नाटक में स्वीकार और अस्वीकार की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। (3)

अथवा

"पात्रों का अध्ययन" कहानी की एक बहुत महत्त्वपूर्ण और बुनियादी शर्त है। स्पष्ट कीजिए।

7. 'विद्यार्थियों पर दूरदर्शन का प्रभाव' पर एक आलेख लिखिए। (3)

अथवा

समाचार लेखन हेतु आवश्यक तथ्यों का उल्लेख कीजिए। (3)

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तकें

[44 अंक]

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×3 = 6)

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है

भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा
है!

(क) कवि किससे अपने रिश्ते को स्पष्ट करना चाहता है?

(ख) "दिल में क्या झरना है"—पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ग) 'मुसकाता' चाँद से कवि का क्या अभिप्राय है?

अथवा

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ।
माँगि कै खेबो, मसीत को सोइबो, लैबेको एकु न दैबको दोऊ।

(क) कवि जाति प्रथा के विरुद्ध क्या कह रहा है?

(ख) शादी-विवाह में जाति की बात क्यों की जाती है?

(ग) 'माँगकर खाने' और 'मस्जिद में सोने' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×2 = 4)

सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादों गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए

(क) काव्यांश में प्रस्तुत बिंब-विधान को स्पष्ट कीजिए।

(ख) "चमकीले इशारों से बुलाते हुए.... बनाते"–काव्य-पंक्तियों का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,
सुख-दुःख दोनों में मग्न रहा करता हूँ,
जग भव-सागर तरने को नाव बनाए,
मैं भव मौज़ों पर मस्त बहा करता हूँ!

मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ?

(क) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए–"मैं हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ?"

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4 × 2 = 8)

(क) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता के आधार पर बताइए कि बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे?

(ख) 'कविता के बहाने' कविता में कवि ने कविता और बच्चे को समानांतर रखा है। इसके क्या कारण हो सकते हैं?

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है–विचार कीजिए।

(घ) 'उषा' कविता में 'भोर के नभ' की तुलना किससे की गई है और क्यों?

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2 × 3 = 6)

भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र को कई रसों का पता है, उनमें से कुछ रसों का किसी कलाकृति में साथ-साथ पाया जाना श्रेयस्कर भी माना गया है, जीवन में हर्ष और विषाद आते रहते हैं। यह संसार की सारी सांस्कृतिक परंपराओं को मालूम है, लेकिन करुणा का हास्य में बदल जाना एक ऐसे रस-सिद्धांत की माँग करता है, जो भारतीय परंपराओं में नहीं मिलता। 'रामायण' तथा 'महाभारत' में जो हास्य है वह 'दूसरों' पर है और अधिकांशत: वह परसंताप से प्रेरित है। जो करुणा है वह अकसर सद्व्यक्तियों के लिए और कभी-कभार दुष्टों के लिए है। संस्कृत नाटकों में जो विदूषक है वह राजव्यक्तियों से कुछ बदतमीजियाँ अवश्य करता है, किंतु करुणा और हास्य का सामंजस्य उसमें भी नहीं है। अपने ऊपर हँसने और दूसरों में भी वैसा ही माद्दा पैदा करने की शक्ति भारतीय विदूषक में कुछ कम ही नज़र आती है।

(क) भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र की क्या विशेषता है?

(ख) करुणा को हास्य में बदल देना किसकी माँग करता है?

(ग) करुणा क्या है? यह कैसे सामने आती है?

अथवा

सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है—नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी, पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया, पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ।

(क) भक्तिन का वास्तविक नाम व उस नाम का अर्थ बताइए।

(ख) भक्तिन समझदार है। ऐसा लेखिका क्यों मानती है?

(ग) 'शेष इतिवृत्त' से आप क्या समझते हैं?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3 + 3 + 3 + 1 = 10)

(क) "भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं" लेखिका ने ऐसा क्यों कहा?

(ख) बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने का मनुष्य पर क्या असर पड़ता है?

(ग) गाँव में महामारी फैलने के दौरान अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल क्यों बजाता रहा?

(घ) लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों? गांधी और नेहरू ने भी उनका सान्निध्य क्यों चाहा?

13. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। (4 × 1 = 4)

(क) "ऐन की डायरी' अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज़ है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुःख और भावनात्मक उथल-पुथल का भी। यहाँ दोनों का फर्क मिट गया है।" इस कथन पर विचार कीजिए।

(ख) वर्तमान समय में धन को पारिवारिक संबंधों से अधिक महत्त्व दिया जा रहा है। इस कथन को कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4 × 2 = 8)

(क) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं, लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों?

(ख) सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी, किंतु उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। कैसे?

(ग) 'जूझ' कहानी प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष करने की प्रेरक कथा है। इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

(घ) 'ऐन की डायरी' में ऐसी क्या विशेषताएँ हैं कि वह पिछले 50 वर्षों में विश्व की सबसे अधिक पढ़ी गई पुस्तकों में से एक है?